



चेतना

शनिवार

बिहार

19-सितंबर-2026

Saturday

वर्ष : 5

प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित



संपादकीय

चेतना सत्र

सविधान

दैनिक कार्ययोजना

पीएम पोषण योजना

अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन समय सारणी

सुरक्षित शनिवार

भारत के वित्त: कॉर्पोरेट कार्य मंत्री

निर्मला सीतारमण

बिहार के ग्रामीण विकास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री

श्रवण कुमार

SEPTEMBER		2026						
र.	सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.		
		1	2	3	4	5		
6	7	8	9	10	11	12		
13	14	15	16	17	18	19		
20	21	22	23	24	25	26		
27	28	29	30					

4 श्री कृष्ण जन्माष्टमी

14 हरि तालिका वर्त (तीज वर्त)

25 अनन्त चतुर्दशी





अनिल कुमार प्रभाकर
प्रधान संपादक



श्री कुंदन कुमार वर्मा
संपादक



फरहान



श्रीमती रींकू कुमारी
संपादक मंडल



श्री राकेश कुमार
संपादक मंडल



श्री सुशील कुमार यादव
संपादक मंडल

चेतना

"टीचर्स ऑफ बिहार"

द्वारा प्रकाशित "चेतना"
दैनिक पत्रिका बिहार के
शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं के
शैक्षिक बेहतरी के लिए एक
महत्वपूर्ण संसाधन है। इसमें
सम्मिलित सामग्री शिक्षकों
को विद्यालय के दैनिक कार्य
में मदद करती है। आइए,
हम सब मिलकर इस अनूठे
प्रयास का हिस्सा बनकर

हमारे महान विभूति



नासा की अंतरिक्ष
यात्री; पूर्व
अमेरिकी नौसेना
अधिकारी/कैप्टन

जीवन परिचय

नाम : सुनीता लिन विलियम्स
जन्म : 19 सितंबर 1965
जन्म स्थान : यूक्लिड, ओहायो, अमेरिका
पिता : डॉ. दीपक पांड्या
माता : बॉनी पांड्या
पति/पत्नी : माइकल जे. विलियम्स
शिक्षा : एम.एस. (इंजीनियरिंग मैनेजमेंट), फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ
टेक्नोलॉजी — 1995
अवार्ड : पद्म भूषण (भारत, 2008)
नागरिकता : अमेरिकी
मृत्यु : जीवित हैं

हम में है दम



—: आज की प्रेरणा —:

जीवन मिलना भाग्य की बात है, मृत्यु होगा समय की
बात है पर मृत्यु के बाद भी लोगों के दिलों में जीवित
रहना कर्मों की बात है।

आज से हम :

श्रेष्ठ कर्मों के द्वारा लोगों के दिलों में जीवित रहें।
Life is a matter of fortune, death is a
matter of time but to live in hearts
of people even after death is a
matter of karma!

Today Onwards Let's :

always live in everyone's heart by
doing good karma.

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन
प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

बिहार सरकार

स्वास्थ्य विभाग

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK)

जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों में होने वाले चार विकारों का निःशुल्क जांच एवं उपचार की व्यवस्था

जन्मजात विकृति, बालपन की बीमारियाँ, पोषक तत्वों की कमी से बीमारियाँ, बच्चों में शारीरिक एवं मानसिक विकास में देरी होने पर इस योजना के तहत निःशुल्क जांच और उपचार किया जाता है।

स्वस्थ बच्चा सशक्त भारत

जन्मजात विकृति

बालपन की बीमारियाँ

पोषक तत्वों की कमी से बीमारियाँ

शारीरिक एवं मानसिक विकास में देरी

इस योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर

104 पर कॉल करें।



1. प्रार्थना



प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह, हर नाम में तू समा रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है।
तेरी जात पाक कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रन्थ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान,
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान
विधि वेद का है ये सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, धुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशाये।
मजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शोक मजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू ही अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

शांत मन में लिया गया हर निर्णय आपको सही परिणाम देता है।

3. शब्द ज्ञान

	English	
1.	Sweeper	स्वीपर सफाईकर्मी
2.	Gardener	गार्डनर माली
3.	Labourer	लेबरर मजदूर

	हिन्दी	
बावली	पगली	
मूर्छा	बेहोशी	
गौर	ध्यान	

	संस्कृत	
याचन्ते स्म	मांगते थे	
समवायः	समूह	
संशयः	सन्देह	

	اردو (उर्दू)	
1.	زیبائی Zebai	खूबी
2.	زیر Zer	नीचे
3.	زیرک Zerak	बुद्धिमान

4. दिवस ज्ञान

अंतरराष्ट्रीय बधिरता सप्ताह

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. अंग्रेजी वर्णमाला में कितने अक्षर होते हैं? : 26
2. भारत के 'मिसाइल मैन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हैं? : डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
3. 'लौह पुरुष' के नाम से कौन प्रसिद्ध हैं? : सरदार वल्लभभाई पटेल

6. तर्क ज्ञान

1. 10 और 40 के बीच अभाज्य पूर्णांकों की संख्या कितनी है? : 8
2. $10 \times 20 \times 30 \times \dots \times 1000$ में शून्य की संख्या ज्ञात किजिए? : 124
3. 1 से 100 के बीच कुल कितने 8 के अंक आते हैं? : 20

7. मुहावरे

1. अंत करना : खत्म करना
2. अंत पा लेना : रहस्य पा लेना
3. अंधेरे घर का उजाला : इकलौता पुत्र

8. प्रेरक प्रसंग

अनसुनी बुराई

एक बार स्वामी विवेकानंद रेल से कही जा रहे थे। वह जिस डिब्बे में सफर कर रहे थे, उसी डिब्बे में कुछ अंग्रेज यात्री भी थे। उन अंग्रेजों को साधुओं से बहुत चिढ़ थी। वे साधुओं की भर - पेट निंदा कर रहे थे। साथ वाले साधु यात्री को भी गाली दे रहे थे। उनकी सोच थी कि चूंकि साधु अंग्रेजी नहीं जानते, इसलिए उन अंग्रेजों की बातों को नहीं समझ रहे होंगे। इसलिए उन अंग्रेजों ने आपसी बातचीत में साधुओं को कई बार भला - बुरा कहा। हालांकि उन दिनों की हकीकत भी थी कि अंग्रेजी जानने वाले साधु होते भी नहीं थे।

रास्ते में एक बड़ा स्टेशन आया। उस स्टेशन पर विवेकानंद के स्वागत में हजारों लोग उपस्थित थे, जिनमें विद्वान् एवं अधिकारी भी थे। यहाँ उपस्थित लोगों को सम्बोधित करने के बाद अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर स्वामीजी अंग्रेजी में ही दे रहे थे। इतनी अच्छी अंग्रेजी बोलते देखकर उन अंग्रेज यात्रियों को सांप सूँघ गया, जो रेल में उनकी बुराई कर रहे थे। अवसर मिलने पर वे विवेकानंद के पास आये और उनसे नम्रतापूर्वक पृच्छा - आपने हम लोगों की बात सुनी। आपने बुरा माना होगा ?

स्वामीजी ने सहज शालीनता से कहा - " मेरा मस्तिष्क अपने ही कार्यों में इतना अधिक व्यस्त था कि आप लोगों की बात सुनी भी पर उन पर ध्यान देने और उनका बुरा मानने का अवसर ही नहीं मिला।" स्वामीजी की यह जवाब सुनकर अंग्रेजों का सिर शर्म से झुक गया और उन्होंने चरणों में झुककर उनकी शिष्यता स्वीकार कर ली।

कहानी से सीख Moral of Story on

इस शिक्षाप्रद कहानी से सीख मिलती है कि हमें सदैव अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए।

राष्ट्र-गान



जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

मौलिक अधिकार

1. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
4. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
5. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
6. सैवधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

सविधान में उपबधित मौलिक कर्तव्य

1. सविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।
5. भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।
7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।
8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।
11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें सविधान द्वारा जोड़ा गया)

भारत के सविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता,

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और

राष्ट्र की एकता और अखण्डता

सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस सविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी)

को एतद् द्वारा इस सविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

राष्ट्रीय गीत



वदे मातरम्
सुजालां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यशामलां मातरम्।
शुभ्रज्योत्सनापुलकितयामिनिं
फुल्लकुन्सुमितद्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं
सुखदां वरदान मातरम्॥ 1.. वदे मातरम्।
कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले
कोटि-कोटि-श्रुजैरधृत-क्रकरवाले,
अबला केन मा एते बल।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्॥ 2.. वदे मातरम्।
तुम विद्या, तुम धर्म, तुम इन्द्रि, तुम मर्म
त्वं हि प्राणाः शरीरे, बहुते तुम मां शक्ति,
हृदये तुम मां भक्ति, तौमरे प्रतिमा घड़ी
मदिरे-मदिर मातरम्॥ 3 .. वदे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी, कमला कमलदलविहारिणी
वाणीदायिनी, नमामि त्वम्, नमामि कमलां अमलां अतुलां
सुजालां सुफलां मातरम्॥ 4.. वदे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां श्रूषितां
धरणिं भरणिं मातरम्॥ 5.. वन्दे मातरम् ॥

- बकिमचन्द्र चटर्जी

दैनिक कार्ययोजना (DAILY PLANNER)

चैतना

19-Sep-2026	Saturday	शनिवार
-------------	----------	--------

आज के टॉप 3 कार्य

RATE YOUR DAY

☐
☐
☐

कुल नामांकित छात्रों कि संख्य :

आज उपस्थित छात्रों कि संख्य :

MDM खाने वालों छात्रों कि संख्या :

TIME TRACKER

09:30 AM	
10:00 AM	
10:40 AM	
11:20 AM	
12:00 PM	
01:20 PM	
02:00 PM	
02:40 PM	
03:20 PM	
04:00 PM	

TO DO'S

☐	
☐	
☐	
☐	
☐	
☐	
☐	
☐	
☐	
☐	

CALLS / EMAIL

MONEY TRACKER

+/-	AMOUNT	EXPENSE / SAVED

MENU OF THE DAY

☐

BREAKFAST

☐

LUNCH

☐

SNACKS

☐

DINNER

WATER



EXERCISE

hours

HIGHLIGHT OF THE DAY

पीएम पोषण योजना

चेतना

19-सितंबर-2026 Saturday शनिवार

वर्ष 05

पीएम पोषण योजना का मेनू :-

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
19-Sep-2026	शनिवार	खिचड़ी (हरी सब्जी युक्त) + चोखा

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- > बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।
- > बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।
- > बच्चों के बीच सामाजिक समता।
- > बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।
- > बच्चों के छीजन में कमी।
- > नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।
- > बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-12-2024 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	120.00	2.40
सब्जी	50 Gram	28.00	1.40
तेल	5 Gram	160.00	0.80
मसाला / नमक	स्वादुनुसार		0.68
जलावन	100 Gram	15.00	1.50
कुल =			6.78

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	120.00	3.60
सब्जी	75 Gram	28.00	2.10
तेल	7.5 Gram	160.00	1.20
मसाला / नमक	स्वादुनुसार		1.02
जलावन	150 Gram	15.00	2.25
कुल =			10.17

अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 2026

प्रारंभिक विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग I एवं VIII के सभी छात्र - छात्राओं की अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 2026 निम्न तालिका के अनुसार संपादित की जाएगी

कक्षा - I & VIII					
दिनांक	दिन	प्रथम पाली		द्वितीय पाली	
		समय 10:00 बजे पूर्वा० से 12:00 बजे अप०		समय 01:00 बजे अप० से 03:00 बजे अप०	
		विषय	कक्षा	विषय	कक्षा
15-09-2026	मंगलवार	भाषा (हिंदी / उर्दू/ बंगला)	I & VIII	विज्ञान	VI & VIII
16-09-2026	बुधवार	अंग्रेजी	I & VIII	पर्यावरण अध्ययन / सामाजिक विज्ञान	III & VIII
17-09-2026	गुरुवार	गणित	I & VIII	संस्कृत	VI & VIII
18-09-2026	शुक्रवार	सह-शैक्षिक गतिविधियों का समेकन एवं ग्रेडिंग का निर्धारण (मकतब / उर्दू विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों के लिए)			
19-09-2026	शनिवार	हिन्दी (द्वितीय भाषा / अहिन्दी भाषी के लिए) (कक्षा III–VIII के लिए)		-	
20-09-2026	रविवार	सह-शैक्षिक गतिविधियों का समेकन एवं ग्रेडिंग का निर्धारण (मकतब / उर्दू विद्यालयों के लिए)			



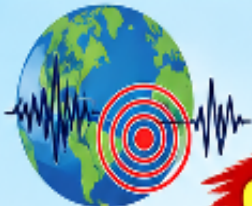
मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

तीसरा
सप्ताह

(सुरक्षित शनिवार)

सितम्बर माह का तृतीय शनिवार

भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जनकारी (मॉकड्रिल)



सतर्क रहें
सुरक्षित रहें

सुरक्षित शनिवार में भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी

(मॉकड्रिल)

भूकंप
कभी भी आ सकता है,
तैयारी अभी से करें!

भूकंप क्या है?

भूकंप पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद ऊर्जा के अचानक मुक्त होने से आने वाला कंपन है, जो धरती की सतह को हिला देता है।

भूकंप के खतरे

- भवनों का गिरना
- बिजली, पानी, गैस की आपूर्ति बाधित होना
- आग लगने की संभावना
- सड़क, पुल और संचार व्यवस्था पर असर
- जन-धन की हानि



भूकंप के समय क्या करें? (मॉकड्रिल - ड्रॉप, कवर, होल)

1 झुकें (DROP)



तुरंत नीचे झुक जाएं
(गिरने से बचें)।

2 दकें (COVER)



मजबूत मेज या किसी सुरक्षित
वस्तु के नीचे छिप जाएं।

3 पकड़े रहें (HOLD)



जब तक कंपन बंद न हो,
तब तक पकड़े रहें।

भूकंप के दौरान अन्य सावधानियां

- ✓ शांत रहें, घबराएं नहीं।
- ✓ खुले स्थान की ओर जाएं (यदि संभव हो)।
- ✓ लिफ्ट का उपयोग न करें।
- ✓ खिड़कियां, कांच और भारी सामान से दूर रहें।
- ✓ गैस, बिजली के उपकरणों को बंद करें (यदि सुरक्षित हो)।

भूकंप के बाद क्या करें?

- ✓ सुरक्षित स्थान पर रहें, जल्दबाजी न करें।
- ✓ घायलों की मदद करें और 112 पर सूचना दें।
- ✓ बिजली/गैस की जांच के बिना उपयोग न करें।
- ✓ अफवाहों पर ध्यान न दें।
- ✓ प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

मॉकड्रिल क्यों जरूरी है?

- ✓ आपात स्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।
- ✓ जान-माल की हानि कम होती है।
- ✓ विद्यालय, कार्यालय और समुदाय अधिक सुरक्षित बनते हैं।
- ✓ सभी को अभ्यास से तैयारी का अनुभव होता है।



सुरक्षित व्यक्ति
सुरक्षित समाज



तैयारी ही सुरक्षा है



भूकंप से बचाव - जागरूकता - सामूहिक पर्याप्त

सुरक्षित शनिवार
हम सबका संकल्प



चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080

email : chetanastr@gmail.com
Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar